Production of Oranges

3277. SHRI RATNA BAHADUR RAI : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the quantity of production of oranges in Darjeeling district for the last three years ; and

(b) the quantity of oranges exported and prices fetched by it during the last three years ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) District-wise production data on oranges is not available for any of the years. However, in West Bengal the production of mandarin oranges during 1991-92 was 20.94 thousand metric tonnes.

(b) The quantity of oranges exported during the last three years and the prices fetched are as under :—

Year	Quantity (Metric tonnes)	Total price (Rs. in lakh)
1990-91 . .	7,002	252.40
1991-92 . .	8,266	405.09
1992-93 . .	8,871.20	464.67

Crop Prospects due to Delay in Winter Rains

3278. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that delay in winter rains has adversely affected the crop prospects in the country ;

(b) if so, whether Government have estimated the loss of crops as a result of delay in rains ; and

(c) what measures are being taken to make good the loss ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

Status of Plantation Industry

3279. SHRI KRISHAN LAL SHARMA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that tea, coffee, etc. enjoy the status of plantation industry ;

(b) whether it is also a fact that palm-oil cashew and horticulture also qualify for that status ;

(c) if so, whether Government propose to give the industry status to these crops, if so, when ; and

(d) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) Yes, Sir.

(b) No. Sir.

(c) and (d) There is no proposal to consider oil palm, cashew and horticulture crops as plantation industry, because these are mostly small farmers' crops.

राज्यों में "ग्रीन हाउस" स्थापित करने के लिए योजना

3280. श्री शिव प्रसाद जमपुरिया : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार की "ग्रीन हाउस" स्थापित करने की कोई योजना है;

(ख) किन-किन राज्यों में यह योजना चल रही है और यह कब से चल रही है, और

(ग) मध्य प्रदेश में उन स्थानों का ब्यौरा क्या है जहां यह योजना क्रियान्वित की गई है तथा इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा राज्य सरकार को कितना अनुदान दिया गया है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, हां।

(ख) ग्रीन-हाउसे प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की योजना, जो 1990-91 में प्रारम्भ

की गई थी, देश के सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में लागू है।

(ख) पूरे मध्य प्रदेश राज्य में यह योजना लागू की गई है। इस योजना के लिये 1992-93 के दौरान मध्य प्रदेश की राज्य सरकार को 4.50 लाख रुपये की एक धनराशि निर्मुक्त की गई थी और 1993-94 के अब तक 6.75 लाख रुपये दिए गए हैं।

औषधीय तथा सुगन्धित फसलों का उत्पादन

3281. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार औषधीय तथा सुगन्धित फसलों के उत्पादन की योजना क्रियान्वित कर रही है; और

(ख) क्या उपरोक्त योजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में एक हर्बल गार्डन और नर्सरी स्थापित करने की एक योजना क्रियान्वित की गई है; यदि नहीं, तो यह कब तक क्रियान्वित की जाएगी ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) जी, हां। आठवीं पंच-वर्षीय योजना के दौरान सरकार द्वारा 500 लाख रुपए की कुल लागत पर औषधीय और सुगंधित पौधों के विकास की एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना कार्यान्वित की जा रही है।

(ख) जी, हां। जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर को इस प्रयोजन के लिए निधि निर्मुक्त कर दी गई है और योजना को कार्यान्वित किया जा रहा है।

गुजरात में खाद्यान्नों का उत्पादन

3282. **श्रीमती चन्द्रिका अभिलन्दन जैन:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में वर्ष 1992-93 और वर्ष 1993-94 के दौरान कुल कितनी मात्रा में खाद्यान्नों का जिले-वार उत्पादन हुआ तथा इस संबंध में वर्ष 1994-95 के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;

(ख) क्या सरकार ने गुजरात में खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए कोई कार्यक्रम तैयार किया है;

(ग) सरकार द्वारा नई कृषि नीति के अन्तर्गत राज्य के किसानों को उपलब्ध कराई गई सूचना तथा सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) वर्ष 1992-93 में गुजरात में खाद्यान्नों के समग्र उत्पादन को जिलावार दर्शाने वाला एक विवरण (नवीनतम उपलब्ध) संलग्न है। (नीचे देखिए) 1993-94 के लिए समान आंकड़े राज्य से अभी देय नहीं हुए हैं। तथापि, वर्तमान आकलन के अनुसार 1993-94 के दौरान सम्पूर्ण गुजरात राज्य में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन लगभग 41.66 लाख मी० टन होने की सम्भावना है। 1994-95 के लिए खाद्यान्नों के उत्पादन लक्ष्यों को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है।

(ख) गुजरात में खाद्यान्नों की उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि करने के लिए ये योजनाएं अर्थात्—समन्वित दलहन विकास कार्यक्रम (आई०पी०आर०डी०), विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम (एस०एफ०पी०पी०)—गेहूं और मक्का व कदन्न बीज मिनिकिटों सहित राष्ट्रीय दलहन विकास परियोजना क्रियान्वित की जा रही है।

(ग) और (घ) 14 मई, 1993 को संसद में रखे गए कृषि नीति संकल्प के संशोधित